आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2021-22

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय

करणी औद्योगिक क्षेत्र, पूगल रोड़, बीकानेर, राजस्थान – 334001

वेबसाइट : www.btu.ac.in ईमेल : reg@btu.rajasthan.gov.in

श्री कलराज मिश्र
माननीय राज्यपाल, राजस्थान
कुलाधिपति, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय,
बीकानेर

श्री अशोक गहलोत
माननीय मुख्यमन्त्री, राजस्थान सरकार
जयपुर

डॉ. सुभाष गर्ग
माननीय तकनीकी शिक्षा मंत्री,
राजस्थान सरकार, जयपुर

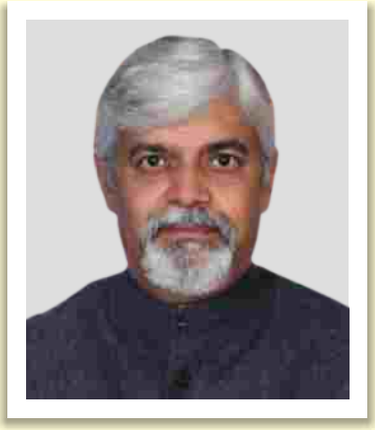

प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी
माननीय कुलपति,
बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2021–22

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय

करणी औद्योगिक क्षेत्र, पूगल रोड़, बीकानेर, राजस्थान – 334001

वेबसाइट : www.btu.ac.in **ईमेल** : reg@btu.rajasthan.gov.in

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय के पदाधिकारी

प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी
कुलपति

डॉ. नरेंद्र कुमार थोरी, आर.ए.एस.
कुलसचिव

श्री भैंरूरतन छंगाणी
वित्त नियंत्रक

डॉ. जयप्रकाश भामू
अधिष्ठाता,
अकादमिक

डॉ. ओ.पी.जाखड
अधिष्ठाता,
अनुसन्धान

डॉ. धर्मेंद्र यादव
अधिष्ठाता,
फैकल्टी अफेयर्स

डॉ. नरपत सिंह
अधिष्ठाता,
छात्र कल्याण

डॉ. राजेश कुमार जाखड़
अधिष्ठाता,
इंजीनिय रग और वास्तुकला संकाय

प्रो. सुरेंद्र कुमार व्यास
अधिष्ठाता,
प्रबंधन अध्ययन संकाय

डॉ. अजीत सिंह पूनिया
अधिष्ठाता,
संगणक अनुप्रयोग संकाय

डॉ. यदुनाथ सिंह
अधिष्ठाता,
अनुप्रयुक्त विज्ञान

डॉ. अल्का स्वामी
अधिष्ठाता,
मानव मूल्य संकाय

सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक
डॉ. हेम आहूजा
सहायक आचार्य,
प्रबंधन अध्ययन संकाय

डॉ. अल्का स्वामी
सहायक आचार्य एवं सम्पादक

डॉ. दीपक बंसल
सहायक आचार्य एवं सम्पादक

श्री अमित कुमार सुधांशु
सहायक आचार्य एवं सम्पादक

प्रकाशक
बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय
करणी औद्योगिक क्षेत्र, पूगल रोड़, बीकानेर, राजस्थान – 334001
वेबसाइट : www.btu.ac.in **ईमेल** : reg@btu.rajasthan.gov.in

प्रस्तावना

राजस्थान राज्य में तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान तथा प्रशिक्षण के द्वारा मानवता और समझ की अभिवृद्धि तथा नवाचार और सृजनशीलता को बढ़ावा देने के दृष्टिगत उच्च राष्ट्रीय प्रासंगिकता के क्षेत्रों में विकसित प्रौद्योगिकी के केन्द्र स्थापित करने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध चार शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय बनाने का इस वर्ष निर्णय लिया गया। जिनमें लगभग चार हजार छात्र अध्ययनरत हैं।

अपनी स्थापना के साथ ही बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर ने तकनीकी ज्ञान के साथ ही प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व के सम्पूर्ण विकास हेतु कृत संकल्पित है। विश्वविद्यालय वर्तमान में क्लासिकल पाठ्यक्रमों के साथ–साथ उच्च शिक्षा से सम्बंधित एवं उद्योगपरक पाठ्यक्रमों जिनकी आज उद्योगजगत में आवश्यकता है यथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, मशीन लर्निंग, डाटा साईन्स, साईबर सिक्योरिटी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है तथा समस्त पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु उन्हें क्रमोन्नत भी करने में अपनी उर्जा एवं लगन के साथ समर्पित है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय GENIUS दृष्टिकोण अपना रहा है, जिसके अव्यव क्रमशः Good Governence, Entrepreneurship, Novelty, Innovation, Universal एवं Social Intregrety है। विश्वविद्यालय के इसी दृष्टिकोण के कारण कोरोना महामारी के इस कठिन समय में विश्वविद्यालय ने अपनी समस्त शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी तरीके से राज्य सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप जारी रखा तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे अध्ययन बोर्ड, प्रबंध बोर्ड तथा अकादमिक परिषद की बैठकों को भी ऑनलाईन माध्यम से समय पर पूरा किया। साथ ही बड़ी मितव्ययता के साथ ऑनलाइन माध्यम ही से अन्य गतिविधियों जैसे सेमिनार, फैकल्टी डेवल्पमेंट कार्यक्रम, कार्यशालाओं आदि का भी आयोजन किया। जिसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के अटल फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम भी शामिल हैं तथा विद्यार्थियों के कैम्पस प्लेसमेन्ट के लिये भी गंभीरता से कार्य करते हुए विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाये।

राज्य सरकार के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक आई–स्टार्ट इन्क्यूबेशन सेन्टर की स्थापना की जा रही है, जिसमें विश्वविद्यालय व इसके संघटक/सम्बद्ध महाविद्यालयों के अध्ययनरत छात्र अपने आईडिया को तराशने और नवाचारों से अभिप्रेत करके छोटे अथवा बडे स्टार्ट–अप (उद्यम की शुरूआत) द्वारा रोजगार सृजित करने में सहायता मिलेगी।

इसी क्रम में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं उत्तरोत्तर विकास हेतु Short Term Training Programs (STTP) विश्वविद्यालय को स्वीकृत किये गये हैं, जिसकी सहायता से राज्य एवं देश के शिक्षकों द्वारा छात्रों को नयी शिक्षा नीति के अनुरूप विकसित किये जाने में मदद मिलेगी। इसी के साथ अ.भा.त.शि.प. प्रायोजित आइडिया लैब की स्थापना करने के प्रयास निकट भविष्य में फलीभूत हो जायेंगें, जिसके उपयोग से विश्वविद्यालय और इससे जुडे महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के नवाचार और बेहतरीन आईडिया को तराशा जायेगा। उन्हें स्टार्ट–अप तथा रोजगार लगाने में मदद व मार्गदर्शन दिया जायेगा, जिससे उन्हे ग्लोबल टेक्नोक्रेट बनाया जा सके।

अपने इन अभिनव प्रयासों से विश्वविद्यालय ने अल्प समय में भी देशभर में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

(प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी)
कुलपति

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	संगठनात्मक ढांचा	1–5
2	स्वीकृत – कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण	6
3	विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलोच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 03 वर्षों से तुलना	7–12
4	आलोच्य वर्ष में विशेष पहल एवं उपलब्धियॉं	13–19
5	सार– संक्षेप	20

1. संगठनात्मक ढांचा

राज्य में तकनीकी शिक्षा विशेात पश्चिमी राजस्थान में प्रगति हेतु बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना विश्वविद्यालय अधिनियम संख्यांक 29 वर्ष 2017 द्वारा की गई। राज्य के माननीय राज्यपाल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति तथा कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षणिक और कार्यपालक अधिकारी है।

विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना की अवधि में ही विश्वविद्यालय ने प्रबन्ध मण्डल, विद्या परिषद, वित्त समिति, संकाय, अध्ययन बोर्ड एवं अनुसंधान बोर्ड, परीक्षा समिति आदि संवैधानिक निकायों का गठन किया। विश्वविद्यालय में 09 अधिष्ठाता अर्थात अधिष्ठाता इंजीनियरिंग एवं वास्तुकला, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता प्रबंधन अध्ययन, अधिष्ठाता संगणक अनुप्रयोग, अधिष्ठाता इंडस्ट्री इन्स्टीट्यूट रिलेशन, अधिष्ठाता अनुसंधान, अधिष्ठाता एप्लाईड साईंसेज, अधिष्ठाता मानवीय मूल्य शिक्षा तथा अधिष्ठाता संकाय मामलात के साथ अधिष्ठाता अकादमिक, परीक्षा नियंत्रक, जनसम्पर्क अधिकारी आदि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियाँ की गई और कुछ अन्य समितियां बनाई गई जिससे विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप समस्त कार्यों का सफल क्रियान्वयन किया जा सके। साथ ही विश्वविद्यालय ने कई प्रकोष्ठों का गठन किया है जैसे जनसम्पर्क प्रकोष्ठ, प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ, सामाजिक दायित्व प्रकोष्ठ, खोज प्रकोष्ठ, ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ तथा आई. आई. आर. प्रकोष्ठ इत्यादि।

तकनीकी शिक्षा का राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है तथा राजस्थान सरकार अध्यापन, शिक्षण–प्रशिक्षण, शिक्षण अनुसंधान और उसके प्रसार के प्रयासों के क्रियान्वयन के साथ ही विश्वविद्यालय को वृद्धि उन्मुख और प्रगतिशील बनाने में भी हमेशा सहयोग करती रही है।

विश्वविद्यालय अपने तीन प्रमुख अंग अध्यापन, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रसार के निष्पादन के लिए मूलभूत आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के चार संघटक महाविद्यालय है, जिनमें से 02 बीकानेर तथा 02 अजमेर में स्थित हैं। विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में तकनीकी शिक्षा एवं प्रबन्धन और संबंधित विषयों के बारे में उचित और व्यवस्थित निर्देशन, शिक्षण प्रशिक्षण, अनुसंधान और नियोजन से संबंधित प्रशिक्षण करवाया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु आठ अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से 17 विशेषज्ञता में अनुसंधान का कार्य करवा रहा है जिसमें इस वर्ष 26 शोधार्थियों को प्रवेश दिया गया। आने वाले वर्षों में इन अनुसंधान केन्द्रों की संख्या में वृद्धि कर अन्य कोर्सेज में भी शोधार्थियों को प्रवेश देकर लाभान्वित किया जा सकेगा।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के साथ ही मूल्य आधारित तकनीकी शिक्षा का संकल्प लिया तथा मानवमूल्य शिक्षा को गति देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय स्तर पर पृथक रूप से मानवमूल्य शिक्षा संकाय की स्थापना के साथ ही पाच नोडल केन्द्र अजमेर, अलवर, जोधपुर, सीकर एवं बीकानेर में स्थापित किये गये हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में वेल्यू सेल आनन्दम की स्थापना की गई है एवं इसके द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तनाव मुक्त जीवन जीने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

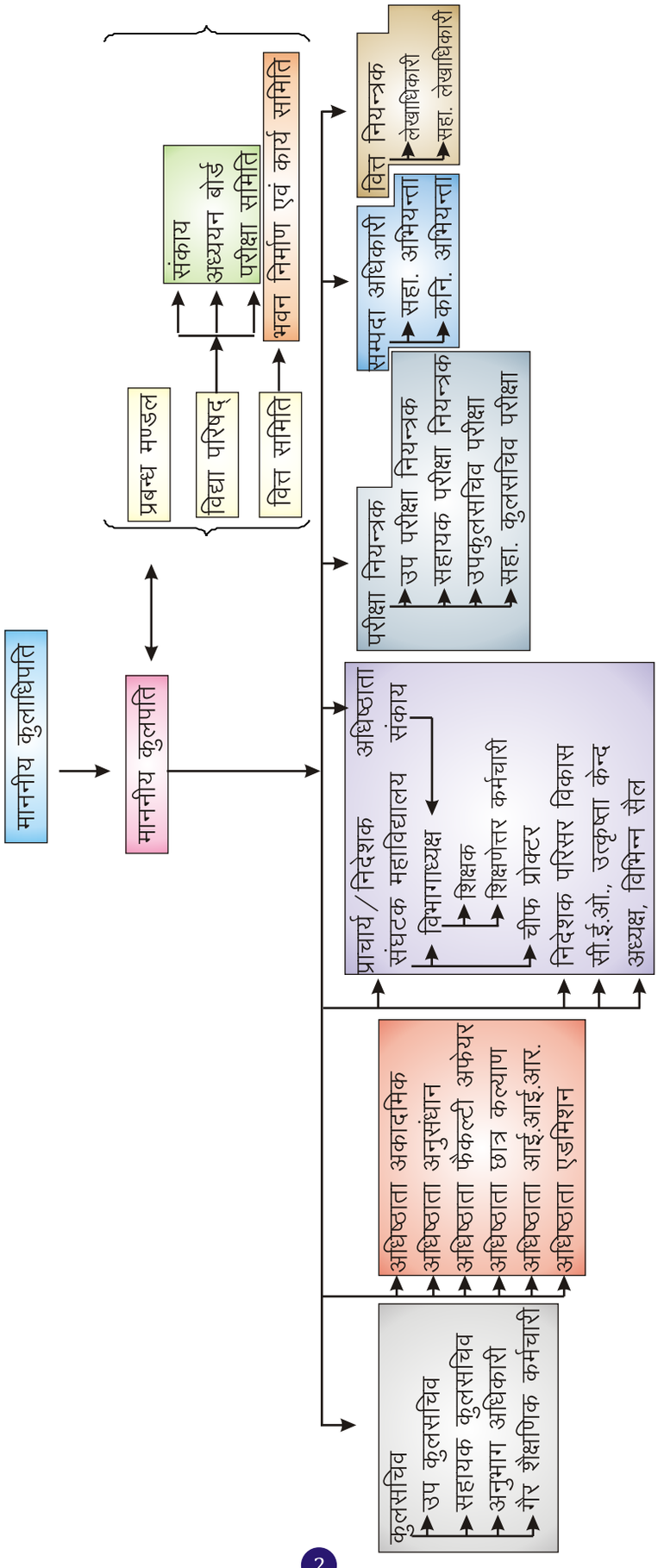

माननीय कुलाधिपति
माननीय कुलपति
प्रबन्ध मण्डल
विद्या परिषद्
वित्त समिति
संकाय
अध्ययन बोर्ड
परीक्षा समिति
भवन निर्माण एवं कार्य समिति
कुलसचिव
उप कुलसचिव
सहायक कुलसचिव
अनुभाग अधिकारी
गैर शैक्षणिक कर्मचारी
अधिष्ठाता अकादमिक
अधिष्ठाता अनुसंधान
अधिष्ठाता फैकल्टी अफेयर
अधिष्ठाता छात्र कल्याण
अधिष्ठाता आई.आई.आर.
अधिष्ठाता एडमिशन
प्राचार्य / निदेशक
संघटक महाविद्यालय
अधिष्ठाता
संकाय
विभागाध्यक्ष
शिक्षक
शिक्षणेत्तर कर्मचारी
चीफ प्रोक्टर
निदेशक परिसर विकास
सी.ई.ओ., उत्कृष्टा केन्द
अध्यक्ष, विभिन्न सैल
परीक्षा नियन्त्रक
उप परीक्षा नियन्त्रक
सहायक परीक्षा नियन्त्रक
उपकुलसचिव परीक्षा
सहा. कुलसचिव परीक्षा
सम्पदा अधिकारी
सहा. अभियन्ता
कनि. अभियन्ता
वित्त नियन्त्रक
लेखाधिकारी
सहा. लेखाधिकारी

माननीय प्रबंध बोर्ड सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम एवं पद	प्रबंध बोर्ड में पद	अधिनियम की धारा
1.	प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, माननीय कुलपति, बीटीयू, बीकानेर	अध्यक्ष	22(1)(a)
2.	संभागीय आयुक्त, बीकानेर सचिव वित्त विभाग के प्रतिनिधि, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य	22(1)(b)(i)
3.	सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य	22(1)(b)(ii)
4.	निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जोधपुर	पदेन सदस्य	22(1)(b)(iii)
5.	डॉ. धर्मेंद्र यादव, अधिष्ठाता, फैकल्टी अफेयर्स, बीटीयू, बीकानेर	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(i)
6.	डॉ. राजेश कुमार ओझा, अधिष्ठाता, इंजीनियरिंग और वास्तुकला संकाय, बीटीयू, बीकानेर	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(i)
7.	प्रो. प्रदीप कुमार गर्ग, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, रुड़की एवं पूर्व कुलपति यू.टी.यू., देहरादून	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(ii)
8.	प्रो. एस. पी. चौरसिया, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, एमएनआईटी, जयपुर	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(ii)
9.	डॉ. नरेंद्र एस चौधरी, प्रोफेसर (एचएजी), कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, इंदौर एवं पूर्व कुलपति यू.टी.यू., देहरादून	माननीय कुलाधिपति द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(iii)
10.	डॉ. संत कुमार चौधरी, अध्यक्ष, शंकरा प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर	माननीय कुलाधिपति द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(iii)
11.	डॉ. जितेंद्र डीगवाल, प्राचार्य, महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(iv)
12.	डॉ. जावेद खान भुट्टो, प्राचार्य, मरुधर इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(iv)
13.	श्री गोविंदराम मेघवाल, माननीय विधायक, खाजूवाला	विधानसभा अध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(v)
14.	श्री जगदीश चंद्र जांगिड़, माननीय विधायक, सादुलशहर	विधानसभा अध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(v)
15.	प्रो. कमलेश पुरोहित, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(vi)
16.	डॉ. एस. के. बिश्नोई, सह आचार्य, इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	22(1)(c)(vi)
17.	डॉ.नरेंद्र कुमार थोरी, आर.ए.एस., कुलसचिव, बीटीयू, बीकानेर	सदस्य सचिव/ पदेन सदस्य	22(1)(b)(iv)

विद्या परिषद सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम एवं पद	विद्या परिषद में पद	अधिनियम की धारा
1.	प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, माननीय कुलपति, बीटीयू, बीकानेर	अध्यक्ष	24(1)(i)
2.	डॉ. राजेश कुमार ओझा, संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग और वास्तुकला संकाय	सदस्य	24(1)(ii)
3.	डॉ. एस. के. व्यास, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन संकाय	सदस्य	24(1)(ii)
4.	डॉ. अजीत सिंह पूनिया, संकायाध्यक्ष, कम्प्यूटर अनुप्रयोग संकाय	सदस्य	24(1)(ii)
5.	डॉ. यदुनाथ सिंह, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय	सदस्य	24(1)(ii)
6.	डॉ. अल्का स्वामी, संकायाध्यक्ष, मानव मूल्य शिक्षा संकाय	सदस्य	24(1)(ii)
7.	डॉ. रेखा मेहरा, प्राचार्य, इंजीनियरिंग कॉलेज अजमेर	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य	24(1)(iv)
8.	सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	सदस्य	24(1)(v)
9.	निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जोधपुर	सदस्य	24(1)(vi)
10.	प्रो. ए. स्वामीनाथन, आईआईटी, रुड़की, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, एप्लाइड साइंस	सदस्य	24(1)(vii)
11.	प्रो. अनिल कोठारी, एमएलएसयु, उदयपुर, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन	सदस्य	24(1)(vii)
12.	प्रो. आशुतोष कुमार, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग	सदस्य	24(1)(vii)
13.	प्रो. विभूति बी, नायक, एनआईटी, राउरकेला, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, सिरेमिक इंजीनियरिंग	सदस्य	24(1)(vii)
14.	प्रो. मिहिर भोले, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गांधीनगर, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, बैचलर ऑफ डिजाइन	सदस्य	24(1)(vii)
15.	प्रा. आर.पी. सिंह, कुलपति, एस.के.आर.ए.यू., बीकानेर, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी	सदस्य	24(1)(vii)
16.	प्रो. पी. के. भारती, कुलपति, एस.वी.यु., गजरौला, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग	सदस्य	24(1)(vii)
17.	प्रो. प्रमोद अग्रवाल, आईआईटी, रुड़की, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग	सदस्य	24(1)(vii)
18.	प्रो. संतोष कुमार द्विवेदी, आईआईटी, गुवाहाटी, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, एरोनोटिकल इंजीनियरिंग, मेकाट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग	सदस्य	24(1)(vii)
19.	प्रो. अजय खरे, योजना और वास्तुकला स्कूल, भोपाल, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, वास्तुकला और नगर नियोजन	सदस्य	24(1)(vii)
20.	प्रो. बी.आर. चाहर, आईआईटी, दिल्ली, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग	सदस्य	24(1)(vii)
21.	प्रो. पीयूष राय, आईआईटी, बीएचयू, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, खनन इंजीनियरिंग	सदस्य	24(1)(vii)
22.	डॉ. प्रीति पारीक, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, मानव मूल्य, बीटीयू, बीकानेर	सदस्य	24(1)(vii)
23.	डॉ. जय प्रकाश भामू, प्राचार्य, इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	24(1)(viii)
24.	डॉ. स्वाति शर्मा, प्राचार्य, राजस्थान इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	24(1)(viii)
25.	श्री दिनेश जुनेजा, अध्यक्ष, एसकेडी विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	24(1)(ix)
26.	डॉ. गीतम सिंह तोमर, निदेशक, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सोनभद्र, उ.प्र.	माननीय कुलाधिपति द्वारा नामित सदस्य	24(1)(ix)
27.	श्री देवेंद्र तिवारी, सहायक आचार्य, बीटीयू, बीकानेर	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य	24(1)(x)
28.	डॉ. शिवांगी बिस्सा, सहायक आचार्य, इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य	24(1)(xi)
29.	डॉ. नरेंद्र कुमार थोरी, आर.ए.एस., कुलसचिव, बीटीयू, बीकानेर	सदस्य सचिव / पदेन सदस्य	24(1)(xii)

वित्त समिति सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम एवं पद	वित्त समिति में पद	अधिनियम की धारा
1.	प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, माननीय कुलपति, बीटीयू, बीकानेर	अध्यक्ष	25(1)(i)
2.	सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	सदस्य	25(1)(ii)
3.	संभागीय आयुक्त, बीकानेर, सचिव वित्त विभाग के प्रतिनिधि, राजस्थान सरकार, जयपुर	सदस्य	25(1)(iii)
4.	डॉ. नरेंद्र कुमार थोरी, आर.ए.एस., कुलसचिव, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य	25(1)(v)
5.	डॉ. वाई. एन. सिंह, परीक्षा नियंत्रक, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य	25(1)(vi)
6.	श्री भैंरूरतन छंगाणी, वित्त नियंत्रक, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य सचिव / पदेन सदस्य	25(1)(vii)

परीक्षा समिति सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम एवं पद	परीक्षा समिति में पद
1.	प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, माननीय कुलपति / माननीय कुलपति महोदय द्वारा नामित अधिष्ठाता	अध्यक्ष
2.	डॉ. एस. के. व्यास, आचार्य, ई.सी.बी., बीकानेर	सदस्य
3.	डॉ. संजय बंसल, सह आचार्य, यूसीईटी, बीकानेर	सदस्य
4.	डॉ. संदीप माथुर, आचार्य, जोधपुर इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	सदस्य
5.	डॉ. पंकज जैन, आचार्य, रामपुरिया पी.जी. कॉलेज, बीकानेर	सदस्य
6.	डॉ. पी. के. यादव, आचार्य, स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य
7.	डॉ. रेखा मेहरा, सह आचार्य, इंजीनियरिंग कॉलेज अजमेर	सदस्य
8.	डॉ. वाई. एन. सिंह, परीक्षा नियंत्रक, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य सचिव

2. स्वीकृत, कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण

2.1 शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

पद का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
अधिष्ठाता–एफ.ए.	01	00	01
आचार्य	10	00	10
सह–आचार्य	20	05	15
सहायक आचार्य	60	50	10
योग	**91**	**55**	**36**

2.2 अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

पद का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
कुलपति	01	01	00
कुलसचिव	01	01	00
वित्त नियन्त्रक	01	01	00
परीक्षा नियंत्रक	01	00	01
सहायक लेखाधिकारी - I	01	01	00
सहायक लेखाधिकारी - II	02	00	02
कनिष्ठ लेखाकार	02	00	02
निजी सचिव, कुलपति	01	00	01
उप–कुलसचिव	02	01 (प्रतिनियुक्ति पर)	01
सहायक कुलसचिव	04	00	04
अनुभाग अधिकारी	03	01 (प्रतिनियुक्ति पर)	02
सहायक अनुभाग अधिकारी	02	00	02
कम्प्यूटर प्रोग्रामर	02	02 (01 पद विरूद्ध)	00
एनालिस्ट कम प्रोग्रामर	01	01 (01 पद विरूद्ध)	00
विधि अधिकारी	01	00	01
सांख्यिकी अधिकारी	01	00	01
निजी सहायक	02	00	02
स्टेनोग्राफर	01	00	01
कनिष्ठ अभियन्ता	01	00	01
सूचना सहायक	07	07	00
वरिष्ठ सहायक	05	00	05
कनिष्ठ सहायक	15	01	14
वाहन चालक	01	00	01
सुरक्षा अधिकारी	01	00	01
केयर टेकर	01	00	01
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	10	00	10
योग	**70**	**17**	**53**

3. विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरुद्ध आलोच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्षो से तुलना

3.1 नियमित अकादमिक कार्य

पश्चिमी राजस्थान के विशेष भौगोलिक क्षेत्र में बसे बीकानेर शहर को तकनीकी शिक्षा, प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विशेष रूप से प्रस्तुत करने वाला एकमात्र विश्वविद्यालय है बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, जिसमें विद्यार्थियो के शैक्षणिक विकास के साथ–साथ तकनीकी कौशल और कुशल प्रबंधन जैसे गुणों को निखार कर उनके चहुंमुखी विकास को सुनिश्चित किया जाता है।

विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में निम्न महाविद्यालय संचालित हैं: –

क्र.सं.	महाविद्यालय श्रेणी	संख्या
1	संघटक महाविद्यालय	01
2	सरकारी सहायता प्राप्त स्वायत्तशाषी महाविद्यालय	03*
3	सरकारी सहायता प्राप्त स्वायत्तशाषी महाविद्यालय	01#
4	स्वायत्तशाषी निजी महाविद्यालय	01
5	निजी महाविद्यालय	36
	कल	**42**

* महाविद्यालय को विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय बनाये जाने हेतु राज्य सरकार द्वारा गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

\# महाविद्यालय को एम.बी.एम. विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय बनाये जाने हेतु राज्य सरकार द्वारा गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

उक्त महाविद्यालयों में श्रेणीवार संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण निम्न सारणी के अनुसार है: –

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	संघटक / विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या
1.	अभियांत्रिकी – स्नातक (बी.टेक.)	33
2.	अभियांत्रिकी – स्नातक (बी. डिजाइन)	01
3.	वास्तुकला – स्नातक (बी.आर्क.)	01
4.	अभियांत्रिकी– स्नात्तकोत्तर (एम.टेक.)	15
5.	कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन– स्नात्तकोत्तर (एम.सी.ए.)	08
6.	प्रबन्धन अध्ययन– स्नात्तकोत्तर (एम.बी.ए.)	20
7.	विद्या वाचस्पति अनुसंधान केन्द्र	08

3.1.1 स्नातक पाठ्यक्रम

तकनीकी शिक्षा की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मापदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय में 4 वर्षीय पाठ्यक्रम बी.टेक., बी डिजाइन एवं 5 वर्षीय पाठ्यक्रम बी. आर्क. संचालित किए जा रहे हैं। उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश "संयुक्त प्रवेश परीक्षा" के आधार पर "राजस्थान इंजीनियरिंग एडमिशन प्रोसेस" की काउंसलिंग द्वारा दिया जाता है।

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान अकादमिक वर्ष में दो नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई है – i) बी. टेक. सीएसई (साइबर सिक्योरिटी) एवं ii) बी. टेक. स्मार्ट एग्रीटेक

विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम निम्नानुसार हैः –

क्र.सं.	स्नातक पाठ्यक्रम	क्र.सं.	स्नातक पाठ्यक्रम
1	बी.टेक. एरोनोटिकल इंजीनियरिंग	14	बी.टेक. सिरेमिक इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी
2	बी.टेक. एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग	15	बी.टेक. केमिकल इंजीनियरिंग
3	बी.टेक. स्मार्ट एग्रीटेक	16	बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
4	बी.टेक. आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स	17	बी.टेक. इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग
5	बी.टेक. आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स एण्ड डाटा साइन्स	18	बी.टेक. इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
6	बी.टेक. आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स एण्ड मशीन लर्निंग	19	बी.टेक. इलेक्ट्रोनिक्स इंस्ट्रुमेंटेशन एण्ड कन्ट्रोल इंजीनियरिंग
7	बी.टेक. कम्प्यूटर साइन्स एण्ड इंजीनियरिंग	20	बी.टेक. इन्टरनेट ऑफ थिंग्स
8	बी.टेक. सी. एस. ई. (साईबर सिक्योरिटी)	21	बी.टेक. मैकेनिकल इंजीनियरिंग
9	बी.टेक. सी. एस. ई. (डाटा साईन्स)	22	बी.टेक. मैकाट्रोनिक्स
10	बी.टेक. डाटा साइन्स	23	बी.टेक. माइनिंग इंजीनियरिंग
11	बी.टेक. मशीन लर्निंग एण्ड कम्प्यूटिंग	24	बी.टेक. पेट्रोलियम इंजीनियरिंग
12	बी.टेक. इन्फोरमेशन टेक्नोलोजी	25	बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर
13	बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग	26	बैचलर ऑफ डिजाइन

3.1.2 स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मापदण्डों के अनुसार कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन/ एमबीए में दो वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित है। उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश "केन्द्रीय प्रवेश प्रक्रिया" के आधार पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित एजेंसी के माध्यम से काऊंसलिंग द्वारा किया जाता है।

विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम निम्नानुसार हैः

क्र.सं.	**स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम**	**क्र.सं.**	**स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम**
1	एम. टेक. डाटा साईन्स	10	एम. टेक. सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग
2	एम. टेक. मैटेरियल साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग	11	एम. टेक. थर्मल इंजीनियरिंग
3	एम. टेक. मैकेनिकल इंजीनियरिंग	12	एम. टेक. वी.एल.एस.आई. डिजाईन
4	एम. टेक. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग	13	एम. टेक. डिजिटल कम्यूनिकेशन
5	एम. टेक. कम्प्यूटर इंजीनियरिंग	14	एम.बी.ए.
6	एम. टेक. जियो टेक्निकल इंजीनियरिंग	15	एम.बी.ए. एग्री बिजनेस मैनेजमेन्ट
7	एम. टेक. मशीन डिजाईन	16	एम.सी.ए.
8	एम. टेक. पॉवर सिस्टम	17	एम.सी.ए. (दो वर्षीय प्रोग्राम)
9	एम. टेक. रिन्यूएबल एनर्जी		

विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या निम्नानुसार है: –

वर्ष	पाठ्यक्रम	सीटों की कुल संख्या	नामांकित छात्रों की संख्या
2018–19	एम. टेक.	936	201
	बी.टेक.	10992	3242
	एम.बी.ए.	1155	437
	एम.सी.ए.	450	06
	बी. आर्क.	30	03
	बी. डिजाईन	00	00
2019–20	एम. टेक.	684	172
	बी.टेक.	9912	3853
	एम.बी.ए.	1065	517
	एम.सी.ए.	270	219
	बी. आर्क.	30	02
	बी. डिजाईन	90	23
2020–21	एम. टेक.	585	140
	बी.टेक.	8130	4089
	एम.बी.ए.	1005	542
	एम.सी.ए.	630	161
	बी. आर्क.	30	07
	बी. डिजाईन	90	08

3.1.3 विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय में विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम संचालित है। इस हेतु विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धारित योग्यता रखने वाले इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन संकाय में कुल आठ अनुसंधान केन्द्रों पर 17 विशेषज्ञता क्षेत्रों में संचालित हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार अंतर विषय अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस हेतु युवाओं में अनुसंधान के प्रति रूझान को बढ़ाने के लिए ADF (एआईसीटीई डॉक्टरल फैलोशिप) का लाभ भी विद्यार्थियों को दिया जा रहा है। अनुसंधान संबंधित शीर्षकों को और अधिक बेहतर बनाने के लिए प्रसिद्ध संस्थानों जैसे आईआईटी और एनआईटी के विद्वानों के सुझावों को भी आमंत्रित किया जाता है। अनुसंधान केन्द्रों में विशेषज्ञता अनुसार निम्न तालिकानुसार है:

क्र.सं.	संस्थान	विभाग / अनुसंधान केन्द्र	विशेषज्ञता क्षेत्र
1	बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	कम्प्यूटर साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग	डाटा साईन्स
		इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
		मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मशीन डिजाईन
		सिविल इंजीनियरिंग	जियो टेक्निकल इंजीनियरिंग
		सिरेमिक इंजीनियरिंग	मैटेरियल साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग
		एम. बी. ए.	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट, फाईनेन्स मैनेजमेन्ट
2	अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बीकानेर	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
		कम्प्यूटर साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग
		मैकेनिकल इंजीनियरिंग	थर्मल इंजीनियरिंग
		एम. सी. ए.	एम. सी. ए.
		एम. बी. ए.	बैकिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट, फाईनेन्स
			मैनेजमेन्ट, मार्केटिंग मैनेजमेन्ट
3	अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
		कम्प्यूटर साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग	कम्प्यूटर साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग

		इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग	कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
		कम्प्यूटर एप्लीकेशन	डाटा बेस मैनेजमेन्ट
		एम. बी. ए.	बैकिंग, जनरल मैनेजमेन्ट, फाईनेन्स मैनेजमेन्ट
4	महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग	कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
		इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
5	शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, सीकर	कम्प्यूटर साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग	कम्प्यूटर साईन्स एण्ड इंजीनियरिंग
		इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
		एम. बी. ए.	मार्केटिंग मैनेजमेन्ट
6	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी, अलवर	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	कन्ट्रोल एण्ड इंस्ट्रुमेन्टेशन
		एम. बी. ए.	फाईनेन्सियल मैनेजमेन्ट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट
7	इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज, बी.जे.एस. रामपुरिया कॉलेज, बीकानेर	एम. बी. ए.	फाईनेन्सियल मैनेजमेन्ट, बैकिंग मैनेजमेन्ट, जनरल मैनेजमेन्ट
8	आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट, अजमेर	एम. बी. ए.	जनरल मैनेजमेन्ट

क्र.सं.	संस्थान	पंजीकृत अनुसंधान पर्यवेक्षक			पंजीकृत विद्यार्थी		
		2019–20	2020–21	2021–22	2018–19	2019–20	2020–21
1	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर	02	08	01	00	01	03
2	अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बीकानेर	29	01	06	11	11	10
3	अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर	19	00	01	08	05	08
4	महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर	04	02	01	00	00	02
5	शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, सीकर	04	01	03	11	00	03
6	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी, अलवर	03	00	00	01	00	00
7	इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज, बी.जे.एस. रामपुरिया कॉलेज, बीकानेर	03	00	00	00	00	00
8	आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट, अजमेर	03	00	00	00	01	00
9	शोध केन्द्रों के अतिरिक्त पंजीकृत अनुसंधान पर्यवेक्षक	11	17	11	–	–	–

3.2 परीक्षा अनुभाग के कार्य

1. परीक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक/सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेशित विद्यार्थियों के विश्वविद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया सम्पन्न करता है।
2. परीक्षा अनुभाग मुख्यतः विश्वविद्यालय की समस्त परीक्षाओं के सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करता है।
3. परीक्षा अनुभाग मुख्य रूप से पेपर सेटर की नियुक्ति, प्रश्न पत्रों की छपाई और परीक्षा के सुचारू संचालन से जुडे अन्य सभी प्रासंगिक मामलों से सम्बंधित है।
4. परीक्षा अनुभाग उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणामों के प्रकाशन से जुडे अन्य सभी मामलों की व्यवस्था करता है।
5. परीक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति के निर्देशन में परीक्षाओं का आयोजन करता है तथा समयबद्ध तरीके से परीक्षा परिणाम घोषित करता है।

गोपनीयता

प्रश्न पत्रों की छपाई की गुणवत्ता, परीक्षा प्रक्रिया, उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणाम तैयार करने की गुणवत्ता में सुधार के लिये लगातार प्रयास किये जा रहें हैं। मुख्य/बैक परीक्षा एवं पुनर्मुल्यांकन की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन केन्द्रीय मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से कराया जा रहा है।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय शत–प्रतिशत गोपनीय मूल्यांकन प्रणाली पर कार्य कर रहा है। इस प्रणाली में सभी उत्तरपुस्तिकाओं को एक परिसर में केन्द्रीयकृत रूप से एकत्रित किया जाता है और छात्र का रोल नम्बर विवरण वाले कवर पृष्ठ की पन्नी को बाहर कर दिया जाता है और उत्तरपुस्तिका के पहले पृष्ठ पर एक अद्वितीय गोपनीय नम्बर लगाया जाता है। पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान छात्र के गोपनीय कोड और रोल नम्बर एवं कॉलेज का विवरण गुप्त रखा जाता है।

कॉपी व्यू गतिविधियॉं

अपनी स्थापना से ही बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय हमेशा पारदर्शी और छात्र हितैषी व्यवस्था पर जोर देता आ रहा है। अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिये गतिविधियों की सूची में **''कॉपी व्यू''** नाम की एक अनूठी विशेषता उपलब्ध है। परिणाम घोषित होने के बाद, छात्रों के पास **''कॉपी व्यू''** फार्म भरने का ऑनलाईन विकल्प है और वे दिये गये शेड्यूल पर अपनी मूल्यांकन की गई उत्तरपुस्तिकाओं को देख सकतें हैं। कॉपी व्यू पर शिकायतें ली जा रहीं हैं और शिकायतों की जांच के बाद, यदि कोई गलती पाई जाती है, तो उम्मीदवार का परिणाम तदनुसार बदल दिया जाता है।

अनुचित साधन मामलों से निपटना

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय अपनी परीक्षा स्वतंत्र और निष्पक्ष आयोजित करने के लिये प्रतिबद्ध है और इसके लिये विश्वविद्यालय ने परीक्षाओं की पवित्रता बनाये रखने के लिये कई प्रयास किये हैं। इस उद्देश्य के लिये, एक अलग सैल स्थापित किया गया है एवं एक सहायक परीक्षा नियन्त्रक इस सैल की देखेरेख कर रहे है। अनुचित साधनों के मामलों से निपटने के लिये एक स्थायी समिति का गठन किया जाता है और उपलब्ध साक्ष्य एवं रिकॉर्ड के आधार पर नियमों के अनुसार सजा का सुझाव देता है। परीक्षा अनुभाग प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर रहें हैं और यह सुनिश्चित किया जाता है कि वे परीक्षा में पूरे समय केन्द्रों पर रहें। यहां तक कि संवेदनशील केन्द्रों पर विशेष उड़न दस्ते भी बेहद गोपनीय तरीके से भेजे जातें हैं।

विशेष टिप्पणी

विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र 2018–19 में दोनो सेमेस्टरों में आयोजित हुई परीक्षाओं के लगभग 8400 विद्यार्थियों में से लगभग 4200 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए थे, जिनकी उत्तीर्ण प्रतिशतता लगभग 50 प्रतिशत थी। माननीय मुख्यमन्त्री महोदय की दूरगामी सोच के तहत कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में विद्यार्थी हित में लिये गये निर्णयों के तहत विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार/यूजीसी के मापदण्डों

को मानते हुए परिणाम जारी किये, जिसमें सत्र 2019–20 में लगभग 19000 विद्यार्थियों में से लगभग 13000 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनकी उत्तीर्ण प्रतिशतता लगभग 70 प्रतिशत रही। इसी क्रम में सत्र 2020–21 में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा Odd Semester दिसम्बर 2020, की विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन किया परन्तु Lockdown के कारण कुछ परिणामों का आयोजन नहीं हो सका, जिनके परिणाम बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किये गये Promotion Rules (BTU/EXAM/20201/Pro./2295, dated 08-12-2021) के आधार पर तैयार किये जा रहें हैं, जिनमें से लगभग समस्त परीक्षा परिणाम घोषित किये जा चुकें हैं, जिसके अनुसार लगभग 22000 विद्यार्थियों में से लगभग 16000 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जिसका उत्तीर्ण प्रतिशत लगभग 72 प्रतिशत रहा है।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर अपने स्थापना से ही तकनीकी शिक्षा में नवाचार करने के लिये सतत प्रयासरत रहा है। माननीय कुलपति प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी के कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् इस क्षेत्र में अनेक नवीनता लाने के प्रयास किये गये हैं। इसी दिशा में परीक्षा विभाग भविष्य में AI Proctored Examination (Online), Online Evaluation of Answer Sheets, परीक्षा की समस्त प्रक्रिया को ऑलनाईन/ऑफलाईन करने इत्यादि कई नवाचारों पर कार्य कर रहा है।

3.3 प्रशिक्षण एवं नियोजन

विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ विद्यार्थियों के अकादमिक कार्यक्रम के अनुसार समय पर प्रशिक्षण एवं नियोजन सम्बन्धी सभी गतिविधियों का सुचारु रूप से आयोजन हेतु कार्यरत है।

विगत वर्षों में विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित एवं नियोजित विद्यार्थियों की संख्या निम्न तालिकानुसार है:

पाठ्यक्रम स्तर	अकादमिक वर्ष	कुल प्रशिक्षित विद्यार्थी	कुल नियोजित विद्यार्थी
स्नातक स्तर एवं स्नातकोत्तर स्तर	2019	3245	1644
	2020	7123	1234
	2021	9014	1917

3.4 प्रशासनिक एंव वित्तीय कार्य

विश्वविद्यालय के समस्त प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य माननीय कुलपति के अध्याधीन रहते हुए क्रमशः कुलसचिव एवं वित्त नियंत्रक द्वारा संपादित किए जाते हैं गत 3 वर्ष का विश्वविद्यालय का आय–व्यय का विवरण निम्न तालिका अनुसार है :

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष वर्ष	आय (राशि लाखों में)			व्यय (राशि लाखों में)			शेष (राशि लाखों में)
		राज्य सरकार द्वारा अनुदान	विश्वविद्यालय स्वयं की आय	कुल आय	अनुदान से व्यय	विश्वविद्यालय आय से व्यय	कुल व्यय व्यय	
1.	2018–19	124.99	538.09	663.08	106.53	361.79	468.32	194.76
2.	2019–20	149.99	681.93	831.92	158.37	383.26	541.63	290.29
3.	2020–21	180.00	622.83	802.83	140.43	868.50	1008.93	(–)206.10
4.	2021–22 (31 दिसंबर 2021तक)	135.00	348.74	483.74	155.65	149.67	305.32	178.42

4. आलोच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

4.1 अकादमिक विभाग

अकादमिक सत्र 2021 22 में विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त स्नातक स्तर पर दो नए पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया है जो कि बी. टेक. सीएसई (साइबर सिक्योरिटी) एवं बी. टेक. स्मार्ट एग्रीटेक पाठ्यक्रम है। उक्त पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी उच्चतम एवं नवीनतम तकनीकों का ज्ञान संचित करते हुए औद्योगिक क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार कुशल टेक्नोक्रेट एवं प्रबंधक बनने में सक्षम हो सकेंगे।

अकादमिक विभाग द्वारा आलोच्य वर्ष में किये गये कार्य निम्नानुसार है :–

1. आईआईटी और एनआईटी के शिक्षाविदों की अधिकाधिक भागीदारी के साथ 13 शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए अध्ययन बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इस पहल से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय के छात्रों के पाठ्यक्रम को और अधिक रोजगारपरक और कुशल टैक्नोक्रेट बनाने में सहायता मिलेगी।
2. सत्र 2021–22 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए नई क्रेडिट संरचना, स्कीम और पाठ्यक्रम शुरू किया गया है इस नए पाठ्यक्रम के माध्यम से नई शिक्षा नीति–2020 के कुछ सिद्धांतों को प्रस्तावित किया गया है।
3. नई शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसा के अनुसार एक नई विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली लागू की गई है।
4. विद्या परिषद ने छात्रों के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट को मंजूरी दे दी जिसे नई शिक्षा नीति–2020 में निहित प्रावधान के अनुसार प्रस्तावित किया जा रहा है।
5. नई शिक्षा नीति–2020 के अनुसार विश्वविद्यालय अंतर विषयी शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है इसी क्रम में विद्या परिषद ने कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी में 10+2 करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः बी. टेक. कृषि एवं बी. टेक. जैव प्रौद्योगिकी में करने की मंजूरी दी है।
6. 2020–21 में शुरू किए गए इंजीनियरिंग कार्यक्रमों–आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग एवं इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स के लिए स्कीम और पाठ्यक्रम संबंधित अध्ययन बोर्ड द्वारा विकसित एवं विद्या परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है।
7. सत्र 2021–22 से विश्वविद्यालय ने पारंपरिक ज्ञान और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित एक अनिवार्य गैर क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किया है जिससे छात्रों में मूल्यों को विकसित करने और सामाजिक प्रतिबद्धताओं के प्रति सजग रहने को सुनिश्चित किया जा सके।
8. उच्च माध्यमिक स्तर पर गैर विज्ञान पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों को बी. टेक. प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के लिए ब्रिज कोर्स को विद्या परिषद द्वारा विकसित और अनुमोदित किया गया है।
9. बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के स्थानान्तरण नियम–2020 के अनुसार, विश्वविद्यालय ने 2 छात्रों के अन्तर महाविद्यालय स्थानान्तरण को मंजूरी दे दी है।

10. विश्वविद्यालय आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ARAI पुणे के साथ एक अकादमिक एमओयु का अनुमोदन संपन्न करने की प्रक्रिया में है जिसके द्वारा बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालयके छात्रों को एआरएआई पुणे में स्टेट ऑफ आर्ट सुविधा के परिवेश में 1 वर्ष या उससे अधिक समय तक अध्ययन करने का अवसर मिलेगा विद्या परिषद ने इस दिशा में सकारात्मक संकेत दिया है।

4.2 विशिष्ट गतिविधियां

1. उच्च एवं तकनीकी शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

गुडगाँव में एरडोरकॉम मीडिया ग्रुप दुवारा आयोजित उच्च शिक्षा की लीडरशिप समिट–2021 में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य, जैसे तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश, विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में ह्यूमन वैल्यू का क्रेडिट कोर्स के रूप संचालन, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन, नवाचार व अभिनव अकादमिक कार्य योजनाएँ, शैक्षणिक व सह शैक्षणिक गतिविधियां, संबंद्ध महाविद्यालयों की रैंकिंग, नवीन पाठ्यक्रम, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु कार्यशालाए, तकनीकी शिक्षा के उन्नयन हेतु किए गए विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू, लॉकडाउन में सफलतापूर्वक निर्बाध रूप से प्रभावी शिक्षण व्यवस्था का संचालन सहित असंख्य कार्यो का सफल क्रियान्वयन के लिए की गई अकादमिक सेंवाओ को रेखांकित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी ने इस एवार्ड को ग्रहण किया। एरडोरकोम मीडिया ग्रुप के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चन्दन आनंद द्वारा कुलपति को एवार्ड प्रदान किया गया।

2. विख्यात इलेट्स टेक्नोमीडिया समूह द्वारा उच्च शिक्षा की चुनौतियों से जुड़े मुद्दों पर आयोजित उच्च शिक्षा का "22 वां विश्व शिखर सम्मेलन"

भारत के जाने–माने और प्रतिष्ठीत इलेट्स टेक्नोमीडिया समूह द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा पर आयोजित "22वें विश्व शिखर सम्मेलन" में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने "उच्च शिक्षा में नवाचार" पर अपने विचार प्रकट किये व अपना संबोधन प्रदान करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में नवाचार विद्यार्थियों में सृजनशीलता, कौशल, ज्ञान और नैतिकता विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा साथ ही संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में यह अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । बदलते परिदृश्य में उच्च शिक्षा में नवाचार केंद्रित पहल की संभावनाओ को बल मिला है। मांग और आपूर्ति के बीच अंतर को पाटने के लिए, विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों में पहचान किए गए क्षेत्रों में क्षमता तथा सामर्थ्य बढ़ाने के संस्थागत नीतियों पर कार्य करने की आवश्यकता हैं। आज विश्वविद्यालयों को नवाचार संवर्धन, सृजनशीलता को बढावा देना, विद्यार्थियों की उद्यमिता को प्रोत्साहित करना, सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना, नव विचारो

के क्रियान्वयन के लिए एक मंच उपलब्ध कराना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता हैं ।

3. विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर माननीय कुलपति द्वारा पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरेला का अर्थ हरियाली से है इस दिन सुख समृद्धि और ऐश्वर्या की कामना की जाती है, ऋग्वेद में हरियाली का प्रतीक हरेला का उल्लेख किया गया है। देहरादून–उत्तराखंड में सुख समृद्धि और खुशहाली का पर्व हरेला हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और इसी के साथ श्रावण मास की शुरुआत हो जाती है. इस पर्व को मनाने के पीछे उद्देश्य यही रहा कि आज की पीढ़ी को उनकी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जाए, अपनी संस्कृति के प्रति युवाओं का रुझान पैदा किया जाए ताकि युवा पीढ़ी भविष्य में इसके महत्व को समझ सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रांगण में माननीय कुलपति एवं संकाय सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया गया जिससे निरंतर बिगड़ते हुए पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए सभी को प्रेरित किया गया

4. नवाचार : बीटीयू के सम्बद्ध इंजीनियरिंग कॉलेज ने बनाया सस्ता ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

कोरोना वायरस की वजह से पूरा विश्व बहुत बड़ी चिकित्सकीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने यहां के लोगों के सामने प्राणवायु ऑक्सीजन की भारी कमी तथा अत्यधिक मांग के कारण एक बहुत बड़ी समस्या खड़ी कर दी है, इस समस्या के समाधान हेतु बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राज इंजीनियरिंग कॉलेज जोधपुर की टीम ने बहुत ही कम कीमत में सस्ता होममेड ऑक्सीजन कंसंट्रेटर का प्रोटोटाईप बनाने का कारनामा कर दिखाया है। यह कंसंट्रेटर बाजार में उपलब्ध नामी कंपनियों के कंसंट्रेटरों के मुकाबले दो गुना से अधिक ऑक्सीजन उपलब्ध करवा सकता है। यह प्रति मिनट 12 से 14 लीटर ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। इससे दो मरीजों को एक साथ जोड़ा जा सकता है। महज 10000 से 12000 रुपयों की लागत से निर्मित यह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मौत की जंग लड़ रहे कोरोना रोगियों के लिए संजीवनी का कार्य करेगा।

5. विश्वविद्यालय आपके द्वार

राजस्थान प्रदेश में इंजीनियरिंग शिक्षा के सुनहरे परिदृश्य के रोडमैप, तकनीकी शिक्षा में नामांकन में वृद्धि, गुणवत्ता सुधार, अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण एवं शैक्षिक सशक्तिकरण की दिशा में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने सम्बद्ध अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के साथ अपने संवादो की श्रृंखला "विश्वविद्यालय आपके द्वार" के नवाचार को मूर्त रूप दिया हैं। इस योजनान्तर्गत बीटीयू कुलपति स्वयं सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों में जाकर उनके उच्च प्रबंधन, निदेशक, प्राचार्य, अकादमिक स्टाफ और विद्यार्थियों से रूबरू हुए उनकी समस्याओं को सुना और विचारो और सुझावों का आदान प्रदान किया। सांझा सहभागिता की अवधारणा पर आधारित कुलपति विद्यार्थी के इस नवाचार के कई आशाजनक परिणाम सामने आए हैं साथ ही अभियांत्रिकी महाविद्यालयों ने इस नवाचार का स्वागत किया हैं। संभवत : प्रदेश में प्रथम बार ऐसा हो रहा है

जब विश्वविद्यालय स्वयं चल कर विद्यार्थियों के पास पहुंच रहा हैं।

6. आई.आई.आर. सैल

वैश्वीकरण के इस दौर में उद्योगों के बीच कडी प्रतिस्पर्धा हो गयी है। अतः अपने अस्तित्व के लिये उद्योगों को भी अच्छी प्रतिभा की आवश्यकता होती है, जो उद्योग मानकों से अच्छी तरह वाकिफ हों और इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में जीवित रहने में सक्षम हो। इसके लिये आगामी इंजीनियरों को विभिन्न संगठनों में उनके प्लेसमेन्ट एवं कॉर्पोरेट संस्कृति को समझने के लिये उद्योग के सम्पर्क में आने की आवश्यकता है। इसे हकीकत में बदलने के लिये बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में आईआईआर सैल की स्थापना वर्ष 2018–19 में की गई है। आई. आई. आर. सैल का संकल्प उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के छात्रों का इंजीनियरिंग कौशल बढ़ाकर उन्हे और अधिक रोजगारपरक बनाना तथा उद्योग और शिक्षा जगत से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के आदान–प्रदान के लिये बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालयको हब बनाना है।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने आई. आई. आर. सैल के माध्यम से ए.आई.सी.टी.ई. नई दिल्ली स्पोकन ट्यूटोरियल (आई.आई.टी. बोम्बे), कोर टेकीज़ इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड, सेरामण्ड इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड, ऐसिकोन सिरेमिक प्राईवेट लिमिटेड, कामटेक ऐसोसियेट प्राईवेट लिमिटेड, ऑरेकल कम्पनी, भारतीय कौशल विकास विश्वविद्यालय जयपुर, स्वामी केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, आई.आई.एच.टी., रैनोसिस प्रौद्योगिकी, देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, अन्तर्राष्ट्रीय प्रबन्धन और तकनीकी अध्ययन संस्थान उत्तर प्रदेश, राजयोग एजुकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन माउण्ट आबू, हनी–बी नेटवर्क गुजरात, एम.एस.एम.ई. भिवाडी, राज चैम्बर वाणिज्य उद्योग, कौशल विकास विश्वविद्यालय एवं श्री श्री विश्वविद्यालय के साथ एम. ओ. यू. एवं एग्रीमेन्ट साईन किये है।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने विद्या परिषद् की सातवीं बैठक (दिनांक 01.11.2021) में एआरएआई (ऑटोमेटिव रिसर्च एसोसियेशन ऑफ इण्डिया), पुणे के साथ साईन करने का संकल्प लिया है। एआरएआई भारत सरकार के भारी उद्योग मन्त्रालय की एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान है। यह भारत सरकार की ओर से वाहन समरूपता और ऑटोमेटिव नियमों को तैयार करने के लिये जिम्मेदार है। एआरएआई ने ऑटोमेटिव इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करके मानव संसाधन के निर्माण का एक कार्यक्रम शुरू किया है। इस प्रोग्राम के अन्तर्गत 04 वर्ष के बी.टेक. प्रोग्राम में 3 साल विद्यार्थी अपनी ब्रांच से सम्बंधित विषयों का सम्बंधित महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में अध्ययन करेंगें एवं अपने अन्तिम वर्ष में विद्यार्थी एआरएआई अकादमी, एफआईडी पुणे जायेंगें, जहां विशेषज्ञ सातवें सेमेस्टर में थ्योरी और प्रेक्टिकल सेशन लेंगें इसके बाद आठवें सेमेस्टर में एक 6 महिने का प्रोजेक्ट होगा। प्रोजेक्ट और प्लेसमेन्ट एआरएआई अकादमी द्वारा सम्भाला जायेगा। एआरएआई अकादमी विश्वविद्यालय के साथ इन विद्यार्थियों के अंक साझा करेगी और फिर विश्वविद्यालय द्वारा परिणाम घोषित किया जायेगा। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री में एआरएआई का लोगो भी होगा।

सत्र 2021–2022 में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने इनक्यूबेशन सेन्टर की स्थापना के सम्बंध में डी.ओ.आई.टी, राजस्थान के साथ 21 दिसम्बर 2021 को एमओयू किया है।

7. मानवीय मूल्य शिक्षा सेल

व्यक्ति के समग्र विकास के लिए मानवीय मूल्य शिक्षा, जो की नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, को राजस्थान के तकनीकी शिक्षा में प्रभावशाली कार्यान्वयन की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय को दी गयी है। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं समस्त संबद्ध महाविद्यालयों में वैल्यू सेल आनंदम की स्थापना की गई है। गत वर्ष देश में पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा एक अभिनव प्रयास के रूप में विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला सुखी जीवन आनंदम का आयोजन किया गया था उसी कड़ी में इस वर्ष भी विश्वविद्यालय ने AICTE के साथ मिल कर शिक्षको एवं विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों के समावेश हेतु 3 कार्यशालाएँ आयोजित की जिसमें 1500 शिक्षको एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके लिए विश्वविद्यालय के कई शिक्षक AICTE से जुड़ कर इस कार्य को अपनी सामाजिक तथा नैतिक ज़िम्मेदारी के तहत राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी के रूप में भी कर रहे है।

8. राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संगोष्ठियाँ एवं फैकल्टी डेवल्पमेंट प्रोग्राम का आयोजन

- विश्वविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ द्वारा पिछले सत्र 2020–21 में पर्यावरण संरक्षण हेतु महत्वाकांक्षी इको ब्रिक परियोजना का आरंभ किया गया था जिसके अंतर्गत ''Eco Bricks Collection Android App'' का विकास किया गया। विश्वविद्यालय एवं समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जिसमें इकोब्रिक्स कलेक्शन प्रमुख था।
- जनवरी 14–20, 2021 के बीच एनवायरमेंट यूथ फोरम 2021 का ऑनलाइन प्रतियोगिता के माध्यम से पर्यावरण चेतना गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण संवर्धन और सदुपयोग पर मंथन किया गया राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी संबद्ध महाविद्यालयों के 400 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- फरवरी 28, 2021 को भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग के विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय सेमिनार नई शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका विषय पर आयोजित किया गया जिसमें वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बहुआयामी विकास के लिए क्रियान्वित की गई योजना पर प्रकाश डाला गया एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों और तकनीकी शिक्षा से जुड़े प्रावधानों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई ताकि तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता सुधार एवं उसके क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय की भूमिका को महत्वपूर्ण समझा जा सके।
- विश्वविद्यालय के सिरेमिक विभाग द्वारा शिक्षाशास्त्र तकनीक और उभरते रुझान पर दो सप्ताह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 1–10 मार्च, 2021 तक आयोजित किया जिसका उद्देश्य आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरणों को समझना और अनुभव करना है जो उनके सीखने के कौशल को बढ़ाने में मदद करेगा। राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी संबद्ध महाविद्यालयों के 200 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया।
- मार्च 31, 2021 को विश्वविद्यालय एवं एसोसिएशन ऑफ म्यूच्यूअल फंड इन इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें म्यूच्यूअल फंड, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना एवं एनपीएस के बारे में जानकारी दी गई।

- मई 18, 2021 को विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय सशक्तिकरण विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न आयामों पर एवं वित्तीय साधनों का प्रभावी उपयोग वित्तीय वित्तीय संसाधनों से जुड़ी योजनाएं एवं वित्तीय नियोजन वित्तीय प्रबंधन की प्रासंगिकता के बारे में बात की गई और वित्तीय साक्षरता एवं सशक्तिकरण पर जोर दिया गया।
- 23 मई, 2021 को असहाय जन कल्याण सेवा समिति उत्तराखंड एवं एम्स ऋषिकेश, आईसीएआर–सीआईएई भोपाल के सहयोग से बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के महाविद्यालय यूसीईटी बीकानेर और एमआईटीआरसी अलवर के संयुक्त तत्वाधान में ''कोविड –19 महामारी पर समुदाय संवादः विशेषज्ञों के साथ बातचीत'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जिसमें वर्तमान समय में कोविड–19 के जागरूकता के महत्व को प्रस्तुत किया गया।
- 23 मई, 2021 विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय यूसीईटी बीकानेर, एमआईटीआरसी अलवर एवं करियर लैब्स बाईजूस के संयुक्त तत्वाधान में ''हाउ टू क्रैक टॉप रेटेड प्लेसमेंट्स एंड बिल्ड यॉर प्रोफाइल'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमे कोविड महामारी के कारण रोजगार संकट से जुड़े मुद्दों और विकल्प पर विचार विमर्श किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा चार दिवसीय राष्ट्रीय पर्यावरण उत्सव को 05 से 08 जून माह 2021 मे आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिये राष्ट्रीय वेबिनार, प्रश्नोत्तरी, निबंध, लेख, पोस्टर संवाद सहित राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस चार दिवसीय आयोजन का विषय ''इकोसिस्टम रीस्टोरेशन'' रखा गया। इस राष्ट्रीय उत्सव का मूल विषय पर्यावरणीय समस्या, पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधनों का आधुनिकता एवं वैज्ञानिकता के नाम पर अत्यधिक शोषण रहा। इसके फलस्वरूप पारिस्थिति की असंतुलन, विभिन्न हानिकारक गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, क्लोरो लोरो कार्बन में बढोतरी, जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, मृदा प्रदषण, वैश्विक तापमान जैसी समस्या, इत्यादि विषयों पर प्रतियोगितओं का आयोजन किया गया।
- वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मानसिक विकास एवं तनाव को दूर करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2021 को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार टाइम टू री थिंक योगा विषय पर आयोजित किया गया जिसमें योगा के उद्भव, उसके महत्व एवं कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी के दौरान योगाभ्यास करने पर जोर दिया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा जून 1 से 21 तक सुखी जीवन आनंदम् नामक 5 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला शुरू हुई जिसमें 9000 विद्यार्थियों तथा उनके परिवार जुड़े. कार्यशाला के अंतर्गत सार्वभौमिक मानव मूल्यों को विद्यार्थी तथा शिक्षक द्वारा जीवन मूल्यों की समझ को विकसित करने तथा शिक्षा को अधिकाधिक रोजगारपरक बनाने पर जोर दिया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग की निःशुल्क ऑनलाइन कार्यशाला आयोजन किया गया, कार्यशाला में ध्यान, योगाभ्यास, व्यायाम, प्राणायाम, अध्यात्म विज्ञान एवं अन्य शारीरिक क्रियाओं से जैसे विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया जिससे कि कोविड–19 इम्यूनिटी करने के साथ–साथ

विद्यार्थियों के मनोबल और उत्साहवर्धन भी किया जा सके।

- विश्वविद्यालय में 13–17 सितंबर 2021 में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित पॉच दिवसीय अटल फैकल्टी डेंवलेपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस पांच दिवसीय आयोजन का विषय रिसेंट ट्रेंड्स इन ग्रीन टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट रहा, जिसमें वर्तमान परिदृश्य में बढ़ते हुए शहरीकरण, मानवीय आवश्यकताओं की वजह से पर्यावरण एवं प्रा.तिक रिसोर्सेज की हानि, क्लाइमेट चेंज एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु ग्रीन टेक्नोलॉजी को अपनाने पर जोर दिया गया।
- बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय युसीईटी में दिनांक 07.12.2021 को नवनिर्मित कैन्टीन की चारदीवारी के बाहरी तरफ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया ग्रया। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं एवं महाविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के तहत सभी द्वारा एक–एक वृक्ष लगाया गया एवं शपथ ली गई कि महाविद्यालय के चार वर्श के समय में इस वृक्ष का ध्यान रखा जायेगा। पर्यावरण संरक्षण हेतु सभी को प्रोत्साहित किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर के 19 फैकल्टी डेवल्पमेंट प्रोग्राम एवं कार्यशालायें आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों की राष्ट्र विकास में भागीदारी सुनिश्चित करवाना था। इस वेबिनार से लगभग 630 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

बीटीयू के सम्बद्ध अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में आयोजित कार्यक्रम

- 25 अटल फैकल्टी विकास कार्यक्रम आयोजित।
- 61 शॉर्ट टर्म कोर्स, शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम, वर्कशॉप और सिम्पोजियम आयोजित।
- 36 अनुसंधान परियोजनाएं और परामर्श।
- 100 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों का आयोजन।
- 2697 स्नातक और 148 स्नातकोत्तर छात्रों ने प्रशिक्षण लिया।
- 800 अंडर ग्रेजुएट और 110 स्नातकोत्तर छात्रों का प्लेसमेंट में चयन।
- 290 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित शोध पत्र।
- 210 छात्र गतिविधि, 50 खेलकूद गतिविधियां।
- 25 नवाचार, 02 पेटेंट।
- महिला इंजीनियरिंग कॉलेज अजमेर में पूरी तरह से डिजिटलीकृत स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय की स्थापना की गई। यह वृहद केंद्रीय पुस्तकालय ज्ञान का खजाना है, जिसमें लगभग 40,994 पुस्तकों का एक सतत बढ़ता संग्रह है।

5. सार संक्षेप

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर की स्थापना राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम संख्यांक 29 वर्ष 2017 द्वारा तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, माननीय राज्यपाल एवं कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षणिक और कार्यपालक अधिकारी के संरक्षण में 18 मई 2017 को की गई है।

एक संघटक महाविद्यालय से शुरू हुए विश्वविद्यालय में अब राज्य सरकार द्वारा 3 और महाविद्यालयों को सम्मिलित कर विश्वविद्यालय की क्षमताओं को बढ़ाया गया है जिससे विश्वविद्यालय प्रदेश की तकनीकी शिक्षा को नयी ऊंचाइयों तक पहुँचा सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय अपने सभी दायित्व जैसे अध्यापन, शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ पिछले 4 वर्षों से प्रयासरत है। इसके लिये विश्वविद्यालय ने हाल ही में 02 नये स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम चालू किये हैं एवं नयी शिक्षा नीति –2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों को बनाया गया है।

विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के 43 विषयों में कुल 10,470 सीटें उपलब्ध है। विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाये जाने हेतु आठ रिसर्च सेन्टर भी कार्यरत हैं, जिन में 75 शोधार्थी शोध कर रहें हैं। विश्वविद्यालय के कुल स्वीकृत 91 शैक्षणिक पदों के विरूद्ध 55 नियमित शैक्षणिक अधिकारी कार्यरत हैं एवं अशैक्षणिक के स्वीकृत 70 पदों के विरूद्ध 17 नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय द्वारा राज्य सरकार द्वारा जारी काविड–2020 के दिशानिर्देशानुसार समस्त गतिविधियॉ संचालित की गई।

राज्य सरकार की नीति के अनुसार विश्वविद्यालय में सुखी जीवन आनंदम सेल की स्थापना की गई है जिसके तहत पाच नोडल केन्द्र अजमेर, सीकर, अलवर, जोधपुर एवं बीकानेर में कार्यरत है। इनमें विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा स्टाफ के लिए तनाव रहित जीवन जीने के लिए विभिन्न गतिविधियां सतत रूप से आयोजित की जा रही है।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय में कई प्रकार के प्रकोष्ठ जैसे खोज प्रकोष्ठ, ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, आई.आई.आर. प्रकोष्ठ भी स्थापित किए गए है जिनके अंतर्गत 14 कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय ने गोद लिए पलाना गांव में कोविड–19 के मद्देनज़र समय समय पर मास्क व सैनिटाइजर का वितरण जैसे कार्यों में सहयोग किया। विश्वविद्यालय पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्य को भली भांति समझते हुए प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए शुरू की गयी परियोजना इको–ब्रिक को इस साल भी सफलता पूर्वक जारी रखा ।

विश्वविद्यालय द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शिक्षा से जोड़े रखने एवं तनाव को दूर करने हेतु विभिन्न संगोष्ठियों को ऑनलाइन माध्यम से आयोजन किया गया, इसी समय में बड़ी मितव्ययता के साथ ऑनलाइन माध्यम से कई प्रकार के सम्मेलन, फैकल्टी डेवल्पमेंट कार्यक्रम, आदि भी आयोजित किए गए। इसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के 25 अटल फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम भी शामिल है ।

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर के 61 फैकल्टी डेवल्पमेंट प्रोग्राम एवं कार्यशालायें आयोजित की गई जिनमें लगभग 1000 से ज्यादा फैकल्टी एवं विद्यार्थी लाभान्वित हुए एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर पर 290 शोध पत्रों का प्रकाशन किया गया है।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय की दूरगामी सोच के तहत् कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में विद्यार्थी हित में लिये गये निर्णयों के तहत विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार/यूजीसी के मापदण्डों को मानते हुए परिणाम जारी किए तथा विद्यार्थियों के कैंपस प्लेसमेंट के लिए गंभीरता से कार्य करते हुए विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाये।

आयुष-अंतिमा

3

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के वैश्विक महाकुम्भ में देश के कुलपतियो और शिक्षाविदो ने उच्च शिक्षा में नवाचार के समावेश पर की चर्चा

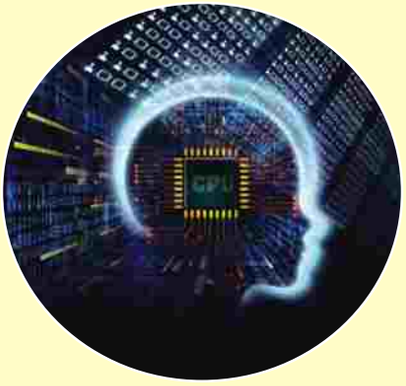

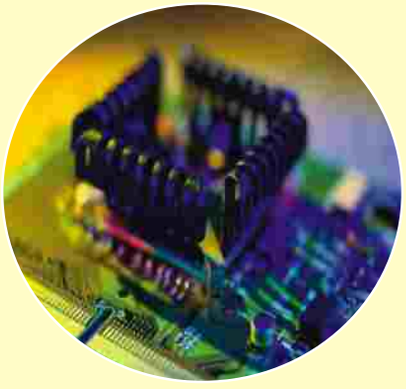

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय

करणी औद्योगिक क्षेत्र, पूगल रोड़, बीकानेर, राजस्थान – 334001
वेबसाइट : www.btu.ac.in ईमेल : reg@btu.rajasthan.gov.in

मुद्रक : मनीष प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स, बीकानेर 9414138557